[श्री बाल्मीकी]

मैं ने पहले भी कहा था कि सी०पी० डब्ल्यू डी० में सप्लाई आदि में आक्शन या जो ठेके दिये जाते हैं उनमें कुछ भ्रष्टाचार नजर आता है। मैं यह कहना चाहता हूं कि जब हम दुनिया के सामने ऊंचे उठना चाहते हैं तो हमारा नैतिक स्तर उठना चाहिये और हमारे देश में जो काम हों उन में नैतिकता दिखायी दे। भ्रष्टाचार चाहे वह छोटे कर्मचारियों में हो या बड़े कर्मचारियों में हो उसको रोकने का प्रयत्न किया जाना चाहिये।

अन्त में मैं फिर कहना चाहता हूं कि मुझे आशा है कि आप बल लगाकर हाउसिंग मिनिस्टर्स कानफरेंस में जो प्रस्ताव पास हुआ है उसके अनुसार भंगियों की आवास समस्या की ओर विशेष ध्यान देंगे और इस काम के लिये बारह चौदह करोड़ रुपया खास तौर पर से अलग रखेंगे। तभी उनके लिये काम हो सकेगा। मैं आशा करता हूं कि आप राज्य सरकारों को भी दिलावें की कोशिश करेंगे कि वे भी भंगियों के लिये कुछ कार्य करें। और इस कार्य में तेजी आ सके।

मैं इन शब्दों के साथ मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उनकी दक्षता और बाकपटुता से इस मंत्रालय का महत्व बहुत बढ़ा है और आशा है कि धीरे धीरे वह भ्रष्टाचार का भी उन्मूलन कर सकेंगे। मैं ने हाउसिंग मिनिस्टर्स कानफरेंस में कहा था कि ईमान इस मंत्रालय में शैतान बन गया है। लेकिन आशा है कि मंत्री जी की सद् कोशिशों से शैतान का रूप बदल कर फिर देवता का रूप हो जायेगा। और इसमें ईमान तथा सत्यता का समावेश हो सकेगा। इस के लिये यह मंत्रालय नामवरी हासिल करेगा।

इन शब्दों के साथ मैं आप को धन्यवाद देता हूं।

सरदार अ० सि० सहगल (जंजगीर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, वर्क्स, हाउसिंग और सप्लाई के मंत्रालय की जो डिमांड्स हाउस के सामने रखी गयी हैं उनका समर्थन करते हुए मैं मंत्रालय से इस बात की प्रार्थना करूंगा कि ५० सैकड़ा जो कि हमें लोन दिया जाता है उसको कम से कम यदि वह बढ़ायेंगे और ७० से ७५ सैकड़ा पर ले जायेंगे तो ज्यादा अच्छा होगा।

उपाध्यक्ष महोदय : बाकी सोमवार को सही। अब नान आफिशियल बिजनेस लेंगे।

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

EIGHTEENTH REPORT

Sardar A. S. Saigal (Janjgir): Sir, I beg to move:

> "That this House agrees with the Eighteenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 26th March, 1958."

Mr. Deputy-Speaker: The question is:

> "That this House agrees with the Eighteenth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 26th March, 1958."

The motion was adopted.

RESOLUTION *RE*: RESETTLEMENT OF EAST PAKISTAN DISPLACED PERSONS—*contd.*

Mr. Deputy-Speaker: The House will now resume further discussion of the Resolution moved by Shri Tangamani on the 14th March, 1958 regarding resettlement of East Pakistan displaced persons.

Out of 2 hours allotted for the discussion of the resolution, one minute